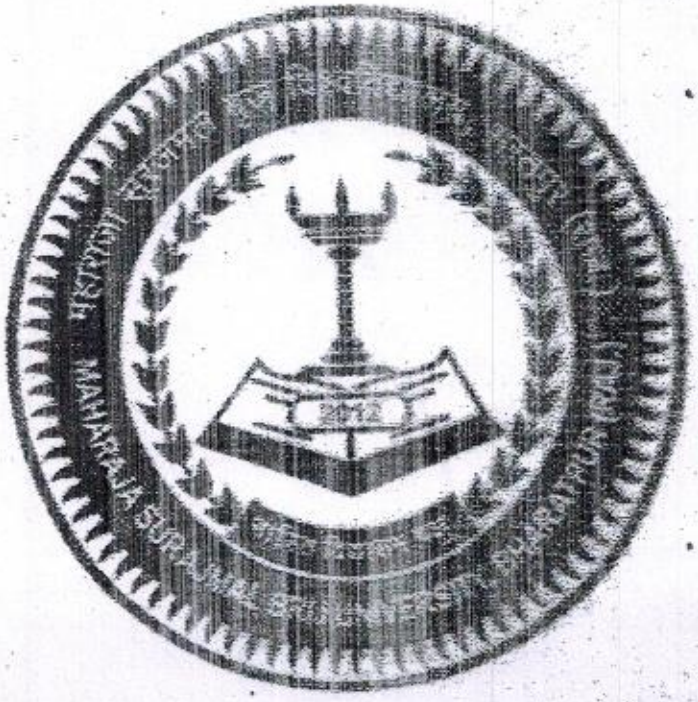

MAHARAJA SURAJMAL BRIJ UNIVERSITY, BHARATPUR

SYLLABUS

BA

GENERAL HINDI

&

HINDI LITT.

Session 2021-22

Session 2021-22

OIC, Academic
M.S. Brij University
Bharatpur

सामान्य हिन्दी

पूर्णांक : 100
समय 3 घण्टे
न्यूनतम उत्तीर्णांक 36

नोट : 36 से कम अंक आने पर छात्रों को उत्तीर्ण नहीं किया जायेगा। इस प्रश्न –पत्र में प्राप्त अंकों को श्रेणी निर्धारण हेतु नहीं जोड़ा जायेगा।

अंक विभाजन – प्रश्न पत्र में दो भाग होंगे –1. साहित्य खण्ड एवं 2. व्याकरण खण्ड। साहित्य खण्ड में दो भाग होंगे– गद्य भाग एवं पद्य भाग । प्रत्येक भाग के लिए 25 अंक निर्धारित हैं । 50 अंक

क	एक व्याख्या पद्य से (प्रत्येक में विकल्प देना है)	10 X 1=10 अंक
ख	एक व्याख्या गद्य से (प्रत्येक में विकल्प देना है)	10 X 1=10 अंक
ग	एक आलोचनात्मक प्रश्न पद्य से (विकल्प देना है)	15 X 1=15 अंक
घ	एक आलोचनात्मक प्रश्न गद्य से (विकल्प देना है)	15 X 1=15 अंक

व्याकरण /व्यावहारिक हिन्दी खण्ड 25 अंक

I.	निबंध लेखन – शब्द सीमा 300	12 अंक
II.	कार्यालयी लेख – शासकीय –अर्द्धशासकीय पत्र, परिपत्र, अधिसूचना ,कार्यालय ज्ञापन, विज्ञप्ति, कार्यालय आदेश।	08 X 01=08 अंक
III.	संक्षेपण (विकल्प देना है)	5 अंक
IV.	पल्लवन (विकल्प देना है)	5 अंक
V.	शब्द निर्माण की प्रविधि – उपसर्ग , प्रत्यय, संधि, समास	5 अंक
VI.	मुहावरे	5 अंक
VII.	पारिभाषिक शब्दावली	5 अंक
VIII	व्याकरणिक कोटियां –संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण	5 अंक

साहित्य खण्ड: गद्य–पद्य की निर्धारित रचनाएँ

गद्य भाग– निम्नांकित पाठ निर्धारित हैं –

1.	कहानी	:	बड़े घर की बेटी (प्रेमचंद)
2.	संस्मरण	:	प्रणाम (महादेवी वर्मा)
3.	रेखाचित्र	:	बाईस वर्ष बाद (बनारसीदास चतुर्वेदी)
4.	विज्ञान	:	शनि सबसे सुन्दर ग्रह (गुणाकर मुळे)
5.	निबंध	:	गेहूँ और गुलाब (रामवृक्ष बेनीपुरी)
6	व्यंग्य	:	ठिठुरता हुआ गणतंत्र (हरिशंकर परसाई)

पद्य भाग

1. कबीर– 1. मन रे! जागत रहिये भाई
   2. हमारे राम रहीम करीमा केसौ, अलह राम सति सोई ।
   3. काजी कौन कतेब बखानै ।

Session 2021-22
Only For Session 2020-21
Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी

4. मन रे ! हरि भजि, हरि भजि हरि भजि भाई।
5. है मन भजन कौ प्रवान

संदर्भ : कबीर ग्रंथावली – श्यामसुदंर दास

2. सूरदास – 1. किलकत कान्ह घटुरूवनि आवत
2. मुरली तऊ गोपालहिं भावत
3. देखौ माई सुन्दरता कौ सागर
4. जसोदा बार बार यौ भाखै
5. चित दै सुनौ स्याम प्रवीन

3. तुलसीदास –
1. कबहुँक अंब अवसर पाई
2. अबलौ नसानी अब न नसैहौं
3. मोहि मूढ मन बहुत बियोगौ
4. ऐसौ को उदार जग मांही
5. मन पछितैहैं अवसर बीते

संदर्भ : विनय पत्रिका, गीता प्रेस गोरखपुर

4. रहीम

पद
1. छवि भावन मोहनलाल की
2. कमल दैल नैननि की उनमानि

दोहा
1. प्रीतम छवि नैननि बसी
2. बसि कुसंग चाहत कुसल
3. रहिमन अंसुआ नैन ढरि
4. रहिमन ओछे नरन सौ बैर भलौ ना प्रीति
5. रहिमन नित मन की बिथा

संदर्भ : रहीम ग्रंथावली, विद्यानिवास मिश्र

5. पदमाकर कवित्त
1. कूलन में केलिन में कछारन में कुंजन में
2. और भाँति कुंजन में गुंजरित भौंर भीर
3. पात बिनु कीन्हे ऐसी भांति गुन बेलिन के
4. सवैया चितै चितै चारों ओर चौंकि चौंकि परै त्योंहीं
5. या अनुराग की लखौं जहँ.....
6. फाग के भीर अभीरन में गहि गोविन्द लै गई भीतर गोरी।

6. मैथिलीशरण गुप्त
साकेत – अष्टमसर्ग से
कैकेयी का अनुताप
तदनन्तर बैठी सभा उटज के आगे .....

Only For Session 2020-21
Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी

सौ बार धन्य वह एक लाल की माई।

7. प्रसाद : कामायनी, श्रद्धासर्ग– कहा आगन्तुक ने सस्नेह.... विजयिनी मानवता हो जाय।

8. पंत : 1.प्रथम रश्मि छन्द 1– 13

9. निराला : 1. भारती जय विजय करे,
   2. बादल राग – 1

10. रामधारी सिंह दिनकर – रश्मिरथी – तृतीय सर्ग– आरंभिक अंश
    सच्चे शूरमा
    सच है विपत्ति जब आती है .... क्या कर सकती चिनगारी है।

Only For Session
2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

बीए प्रथम वर्ष हिन्दी साहित्य प्रथम प्रश्न पत्र

आदिकाल एवं ~~भक्ति~~ काल
भक्ति

पूर्णांक : 100 अवधि: 3 घण्टे

1 कबीर दास — कबीर ग्रंथावली सं0 श्याम सुन्दर दास , वाणी प्रकाशन
सुमिरण कौ अंग प्रथम 20 साखी
पद — 1 संतो भाई आई ग्यान की आँधी
2 मन रे जागति रहिये भाई
3 पंडित वाद बदंते झूठा
4 काजी कौन कतेंब बषाने
5 मन रे तन कागद का पुतला
6 अब मोहि राम भरोसा तेरा

2 जायसी — जायसी ग्रंथावली सम्पादक राम चन्द्र शुक्ल
नागरी प्रचारिणी सभा पदमावत् से नागमती — संदेश खण्ड

3 सूरदास — भ्रमर गीतसार सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल
पद — 7,8,10,15,20,21,36,40,42,45,52,58,64,67,71,75,115,116,129,130

4 तुलसीदास — विनय पत्रिका — गीता प्रेस गोरखपुर
पद सं0 76 से 86 तक

अंक विभाजन — व्याख्या — 02 (आन्तरिक विकल्प देय) (02X20=40)
आलोचनात्मक प्रश्न 02 प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) (02X30=60) अंक

Session 2021-22

Only For Session
2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

बीए प्रथम वर्ष : हिन्दी साहित्य द्वितीय प्रश्न पत्र
गद्य साहित्य – कहानी, नाटक, एवं एकांकी

पूर्णांक : 100 अवधि : 3 घण्टे

1. कहानी

उसने कहा था	–	चन्द्र धर शर्मा गुलेरी
पूस की रात	–	प्रेम चन्द्र
आकाश दीप	–	जय शंकर प्रसाद
खेल	–	जैनेन्द्र
परदा	–	यशपाल
दोपहर का भोजन	–	अमर कांत
चीफ की दावत	–	भीष्म साहनी
भूख	–	चित्रा मुद्गल
गदल	–	रांगेय राघव

2. नाटक

वीर शिरोमणि महाराजा सूरजमल
(ऐतिहासिक नाटक) लेखक कुँवर पुष्कर सिंह
प्रकाशक भगवती प्रकाशन, पुराने बिजली घर के सामने भरतपुर

3. एकांकी

कौमदी महोत्सव	–	रामकुमार वर्मा
उपेन्द्र नाथ अश्क	–	तौलिए
जगदीश चन्द्र माथुर	–	भोर का तारा
लक्ष्मी नारायण लाल	–	व्यक्तिगत
भुवनेश्वर – श्यामा : एक वैवाहिक विडम्बना		

नाटक या एकांकी में से कोई एक चयन करना है।

अंक विभाजन – 01 व्याख्या 02 आंतरिक विकल्प देय

एक कहानी से एक नाटक/एकांकी से (2 X 20 – 40)

आलोचनात्मक दो प्रश्न आंतरिक विकल्प देय

एक कहानी से एक नाटक एकांकी से (2 X 30 – 60)

आलोचनात्मक अंतिम प्रश्न टिप्पणीपरक होगा । कुल दो टिप्पणियां अंको की पूछी जायेगी । आन्तरिक विकल्प देय होगा ।

सहायक पुस्तकें :

रामचन्द्र तिवारी	:	हिन्दी का गद्य साहित्य
रामविलास शर्मा	:	प्रेमचन्द और उनका युग
नामवर सिंह	:	कहानी नयी कहानी
देवीशंकर अवस्थी	:	हिन्दी कहानी सन्दर्भ और प्रकृति
रामकुमार वर्मा	:	एकांकी कला
दशरथ ओझा	:	हिन्दी नाटक उद्भव और विकास
जगन्नाथ शर्मा	:	जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन

Only For Session 2020-21 Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी

B.A Part -II

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न पत्र

रीतिकाव्य

पूर्णांक : 100 अवधि : 3 घण्टे

1. केशव :रामचंद्रिका – सोलहवाँ प्रकाश – अँगद रावण संवाद

2. बिहारी : (बिहारी रत्नाकर) दोहा संख्या – 1, 11, 13,16, 25, 31, 34, 37, 60, 62, 63, 67, 68, 69, 73, 94, 104, 121, 171, 201,207,217,302,306,309,
संदर्भ : (क्रम सं., 3 से 7 तक के लिए रीति काव्यधारा –डॉ.रामचन्द्र तिवारी , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी)

3. भूषण : पद संख्या– 1,3,4,5,9,10,11,18,20,22,23,24,29,30,34 (कुल 15 पद)

4. घनानद : पद संख्या – 3, 4, 5,6,7,8, 9, 10,,11,12,14,15,16,19,23 (कुल 15 पद)

5. पद्माकर : पद संख्या – 1,4,7,10,11,13,14,15,16,18,20,21,22,23,25 (कुल 15 पद)

कुल 02 व्याख्या (आन्तरिक विकल्प देय) (20X02=40) अंक

आलोचनात्मक प्रश्न – 02 (आन्तरिक विकल्प देय) (30X02=60) अंक

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

द्वितीय प्रश्न पत्र

उपन्यास एवं एकांकी

पूर्णांक : 100 अवधि :3 घण्टे

उपन्यास : अमृतलाल नागर–मानस का हंस

एकांकी : उदयशंकर भट्ट –परदे के पीछे

गोविन्दवल्लभ पंत – विष कन्या

उपेन्द्र नाथ अश्क – लक्ष्मी का स्वागत

व्याख्या – 02 (आन्तरिक विकल्प देय) 01 उपन्यास, 01 एकांकी 2X20=40

02 आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) 01 उपन्यास, 01 एकांकी 2X30=60

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

B.A Part -III

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न पत्र

आधुनिक हिन्दी कविता

पूर्णांक : 100 अवधि : 3 घण्टे

1. हरिऔध – प्रिय प्रवास (पवनदूती प्रसंग) सर्ग –6 छंद सख्या 51(तू पावेगी कुसुम गहने .....) से छंद संख्या 83(वर्द्धिता थी व्यथायें) तक।
2. मैथिलीशरण गुप्त – (साकेत)– नवम सर्ग से चयनित अंश
   1.करूणे.....बोलकर आओ
   2.उस रूदन्ती विरहिणी.....यत्नों की ओट
   3.सींचे ही बस.....प्रवीणा
   4.कौन सा दिखाऊँ दृश्य .....सदय हृदय से सेकर
   5.वेदने तू भी .....प्राण धनी
3. प्रसाद – पेशोला की प्रतिध्वनि, हिमाद्रि तुंग, हिमालय के आंगन में, 'आँसू' प्रारम्भ से – पाकर इस शून्य हृदय को सबने आ डेरा डाला तक।
4. निराला–1. जागो एक बार फिर – 1,2,राम की शक्ति पूजा–खिला गयी सभा से अंत तक
5. अज्ञेय –युद्ध विराम , वे पुल बनायेंगे, भीतर जागादाता
6. मुक्तिबोध –बबूल, उन्हें युद्ध की ही बात करने दो, जन जन का चेहरा एक
7. धर्मवीर भारती –कनुप्रिया (पूर्वराग के प्रथम पांच गीत)
8. नरेश मेहता – प्रार्थना धेनूएँ, महाभाव,सूर्योदय :एक संभावना, इतिहास और प्रार्थना
9. दुष्यन्त कुमार – निम्नलिखित पांच गजलें
   1. कहाँ तो तय था चिरागां
   2. ये सारा जिस्म झुककर
   3. भूख है तो सब्र कर, रोटी नहीं
   4. कहीं पे धूप की चादर
   5. मत कहो, आकाश में कुहरा

अंक विभाजन : कुल 02 व्याख्या (एक कवि से एक) आन्तरिक विकल्प देय (20X02=40)

आलोचनात्मक प्रश्न – 02 (आन्तरिक विकल्प देय) (02X30=60)

Session 2021-22

Only For Session 2020-21

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)

9-

BA Part-III

द्वितीय प्रश्न पत्र
नाटक एवं निबंध

पूर्णांक : 100 — अवधि :3 घण्टे

नाटक : ध्रुव स्वामिनी– जयशंकर प्रसाद

निबंध :

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – लोभ और प्रीति
2. नंददुलारे वाजपेयी – भारतीय साहित्य की एकता
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी – कुटज
4. कुबेरनाथ राय – नीलकंठ उदास
5. डॉ. नगेन्द्र – कविता क्या है ?
6. विद्यानिवास मिश्र – तमाल के झरोखे से

अंक विभाजन : कुल 02 व्याख्या – (आन्तरिक विकल्प देय) (02X20=40) अंक
01 नाटक से 01 निबन्ध से
दो आलोचनात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय)
01 नाटक से 01 निबन्ध से (02X30=60)

Only For Session
2020-21

Session 2021-22

Session 2021-22

अकादमिक प्रभारी
महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय
भरतपुर (राज.)